बोर्ड कृतिपत्रिका: मार्च २०१८
हिंदी लोकभारती

Time: 3 Hours **Max. Marks: 80**

सूचनाएँ : - (1) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य तथा पूरक पठन की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।
(3) रचना विभाग तथा व्याकरण विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।
(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 – गद्य **20 अंक**

कृ.1.(क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[8]**

(1) संजाल पूर्ण कीजिए: **(2)**

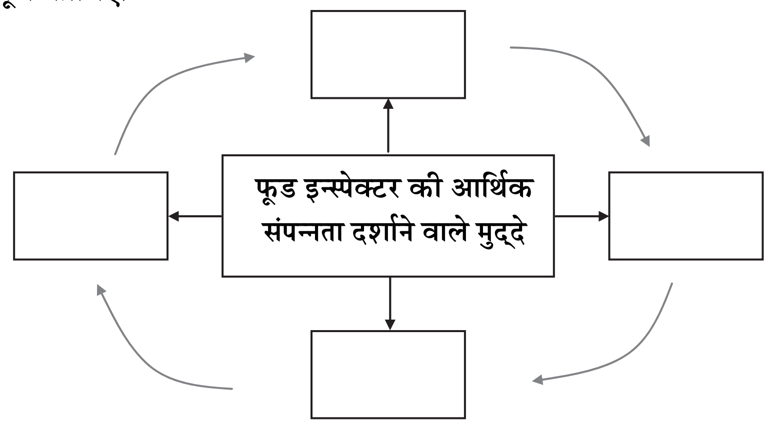

वह रो रहा था। सचमुच में रो रहा था। जब मैंने उसकी आँखों में टावेल लगाया। कहा, "भैया, मत रोओ, सिर दुखेगा।"

उसने कहा, "होनी को कौन टाल सका है? देखो, क्या होना था, क्या हो गया।" और उसके आँसुओं ने फिर स्पीड पकड़ ली। उसने अचानक पास में रखी हुई मसाला दोचने की लुढ़िया उठाई और अपने सर पर मारते हुए कहा, "ले भुगत।"

उसके सर पर बहुत बड़ा गुरमा निकल आया। मैंने टावेल निचोड़कर उसकी आँखों पर रख दिया।

वह फूड इन्स्पेक्टर था। यूँ उनका रंग वही था, जो भगवान कृष्ण का था, मगर उसके गाल लाल सुर्ख थे। इस सदी में यदि किसी को निखालिस दूध मिलता था, तो उसे ही, क्योकि वह शहर के होटलों में दूध चेक करता था। उसके बच्चे भी मोटे-ताजे थे और उसकी बीवी गहनों से लदी रहती थी। वह स्वयं घी का व्यापारी नहीं था पर उसके घर में घी के कनस्तर रखे रहते थे। वह फूड इन्स्पेक्टर की नौकरी में इतना खुश था कि उसे अगर राष्ट्र के सबसे बड़े पद का आफर भी मिलता, तो वह ठुकरा देता।

(2) कारण लिखिए: **(2)**

1. फूड़ इन्स्पेक्टर के सर पर गुरमा निकल आने का कारण –
2. फूड़ इन्स्पेक्टर को निखालिस दूध मिलने का कारण –

(3) उचित विरामचिह्नों का यथास्थान प्रयोग कर वाक्य फिर से लिखिए:

(i) उसने कहा होनी को कौन टाल सकता है **(1)**

(ii) वचन परिवर्तन कीजिए: **(1)**

(1) आँख (2) शहर।

(4) 'होनी को कोई टाल नहीं सकता' पर अपने विचार लगभग 8 से 10 वाक्यों में लिखिए। **(2)**

(ख) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए: (8)

(1) विधान पढ़कर उसके सामने सत्य अथवा असत्य लिखिए: **(2)**

1. व्याकरण का उद्देश्य वाणी की शुद्धि करना माना गया है।
2. पतंजलि ने चित्तशुद्धि के लिए वैद्यक लिखा।
3. सुंदर भजन का नाद नींद में भी मन में घूमता रहता है।
4. भक्तिमार्ग को मुख्य सीख वाक्शुद्धि है।

पतंजलि के बारे में कहते हैं कि उसने चित्तशुद्धि के लिए योगसूत्र लिखे, शरीरशुद्धि के लिए वैद्यक लिखा और वाक्शुद्धि के लिए व्याकरण महाभाष्य लिखा। ये तीनों चीजें लिखने वाला पतंजलि एक ही था या अलग-अलग इस ऐतिहासिक प्रश्न को हम अभी छोड़ दें। परंतु महत्त्व की बात यह है कि व्याकरण का उद्देश्य वाणी की शुद्धि करना माना गया है।

भक्तिमार्ग की मुख्य सिखावन है कि वाणी से हरिनाम लेते रहना चाहिए। शरीर संसार में काम भले ही करता रहे , किंतु वाणी में संसार न हो। वाणी का मन पर गहरा संस्कार पड़ता रहता है। कोई अगर सुंदर भजन सुनकर सो जाए तो सवेरे उठते ही बराबर वही अपने-आप याद आ जाता है, इतना उसका नाद नींद में भी मन में घूमता रहता है। तुलसीदास जी ने कहा है:

राम नाम मणिं – दीप धरु जीह देहरी द्वार,
तुलसी भीतर बाहरहुँ जो चाहस उजियार।

अंतर की आत्मा और बाहर का जगत इन दोनों के मध्य मानो यह वाणी देहरी है। अंदर और बाहर दोनों ओर अगर मुझे प्रकाश चाहिए तो वाणी की इस देहरी पर रामनाम का बिना तेल–बाती का मणिदीप रख दे।

(2) i. एक/दो शब्दों में उत्तर लिखिए: (1)

1. पतंजलि द्वारा शरीरशुद्धि के लिए लिखी रचना –
2. अंतर आत्मा और बाहर का जगत इन दोनों का मध्य –

ii. उत्तर लिखिए: (1)

[ ] ← **सुंदर भजन सुनने का परिणाम** → [ ]

(3) i. सारणी की सहायता से विरुद्ध अर्थ के शब्द ढूँढ़कर लिखिए: **(1)**

बा	अ	×
द्	×	र
ह	द्	ध
शु	×	र

अंदर ×

शुद्ध ×

ii. परिच्छेद में प्रयुक्त दो विरामचिह्नों के नाम लिखिए। **(1)**

(4) 'वाणी का महत्त्व' पर अपने विचार लगभग **8** से **10** वाक्यों में लिखिए। **(1)**

(ग) परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **(2)**

(1) संजाल पूर्ण कीजिए:

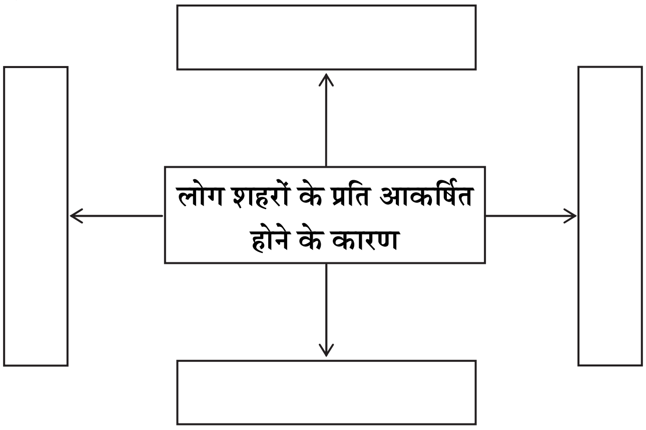

शहरों को पसंद करने के कई कारण हैं। नगर बहुत से लोगों की जीविका के साधन होते हैं और इसकी सभी बुराइयों के बावजूद उनकी मजबूरी उन्हें यहाँ पर रखती है। हजारों व्यवसायों के केंद्र नगर हैं। नगर ही सांस्कृतिक तथा राजनैतिक गतिविधियों के केंद्र हैं। यहाँ पर आधुनिक जीवन की वे सभी सुविधाएँ उपलब्ध हैं जो हमारे गाँवों में उपलब्ध नहीं हैं। शहर में प्रत्येक रुचि और स्वभाव के लोगों के लिए काम है। यहाँ पर कोई भी व्यक्ति अपने आप को उदास और निरुत्साहित नहीं समझता। इन्हीं कारणों से वह व्यक्ति जो शहर को पसंद नहीं करता वह भी शहर की ओर खिंचा आता है।

(2) 'देश के विकास में शहरों की भूमिका' पर अपने विचार लगभग 6 से 8 वाक्यों में लिखिए। **(2)**

विभाग 2 – पद्य

[16]

2. (च) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **(8)**

(1) संजाल पूर्ण कीजिए: **(2)**

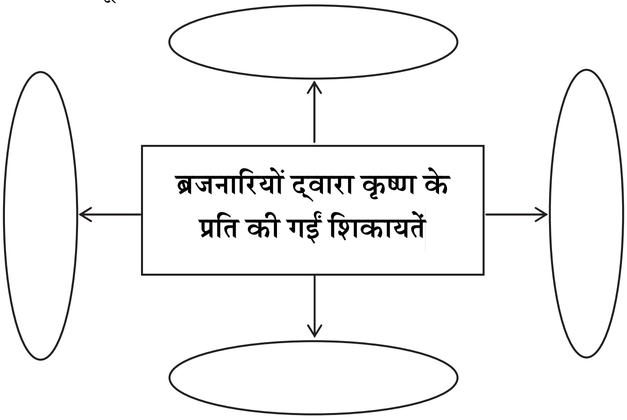

तेरो लाल मेरो माखन खायो। दुपहर दिवस जानि घर सूनो ढूंढ़ि ढढोरि आप ही आयो।। खोल किवार सूने मंदिर में दूध दही सब सखन खवायो। सींके काढ़ि खाट चढ़ि मोहन कछु खायो कछु लै ढरकायो। दिन प्रति हानि होत गोरस की यह ढोटा कौने ढंग जायो। 'सूरदास' कहती ब्रजनारी पूत अनोखो जायो।।

(2) सही विकल्प चुनकर वाक्य पूर्ण करके फिर से लिखिए: **(2)**

i) ब्रज की नारियाँ कृष्ण की लीलाओं से _______ । (परेशान हैं/खुश हैं/उत्साहित हैं)

ii) बालक कृष्ण गोरस चुराने के लिए _______ । (खाट पर चढ़ता है/ सींके पर चढ़ता है/द्वार पर चढ़ता है)

(3) (i) 'प्रति' उपसर्ग का प्रयोग करके दो शब्द लिखिए। **(1)**

(ii) अर्थ लिखिए: **(1)**

दिन =

दीन =

(4) प्रस्तुत पद्यांश की प्रथम चार पंक्तियों का भावार्थ सरल हिंदी में लिखिए। **(2)**

(छ) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **(8)**

(1) संजाल पूर्ण कीजिए: **(2)**

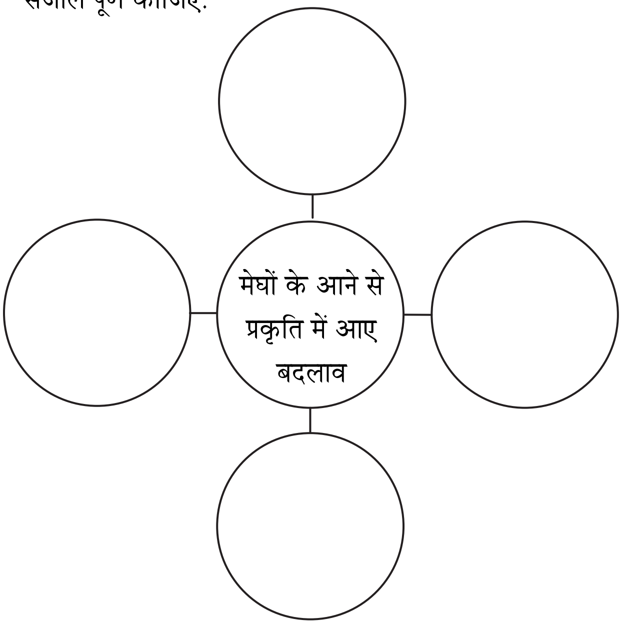

मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।
आग-आगे नाचती-गाती बयार चली,
दरवाजे-खिड़कियाँ खुलने लगीं गली-गली,
पाहुन ज्यों आए हों गाँव में शहर के।
मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।
पेड़ झुक-झाँकने लगे गरदन उचकाए,
आँधी चली, धूल भागी घाघरा उठाए,
बाँकी चितवन उठा, नदी ठिठकी, घूँघट सरके।
मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।

(2) उपर्युक्त पद्यांश से ऐसे दो प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हों-प्रत्येक शब्द के लिए एक प्रश्न तैयार कीजिए: **(2)**

i. बयार

ii. मेघ

(3) i. कविता में दो बार आई हुई पंक्ति लिखिए। **(1)**

ii. कविता में प्रयुक्त समान अर्थ के शब्द लिखिए: **(1)**

बादल =

सरिता =

(4) प्रस्तुत पद्यांश की अंतिम चार पंक्तियों का भावार्थ सरल हिंदी में लिखिए। **(2)**

विभाग 3 – पूरक पठन

[4]

3. परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[4]**

(1) संजाल पूर्ण कीजिए: **(2)**

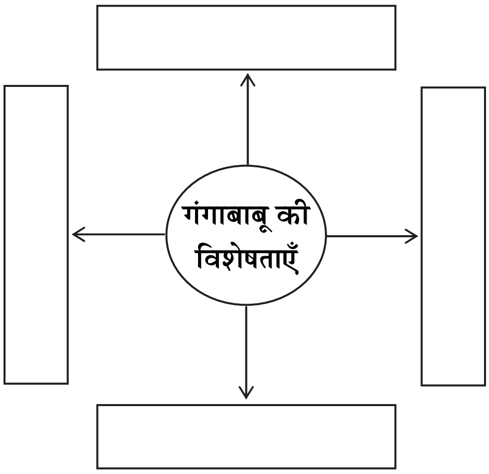

गंगा बाबू से मेरा परिचय आज से कोई दस वर्ष पूर्व हुआ था। किंतु मुझे सदा ऐसा लगता था, जैसे वर्षों से उन्हे जानती हूँ। मेरा एक संस्मरण पढ़कर, उन्होंने मुझे जब पत्र लिखा तो मैंने उन्हें कभी देखा भी नहीं था। किंतु उस सरल पत्र की सहज-स्नेहपूर्ण भाषा ने जो चित्र उनका खींचकर रख दिया था, साक्षात्कार होने पर वे एकदम वैसे ही लगे। बूटा-सा कद, भारी-भरकम शरीर, सरल वेशभूषा और गांभीर्य-मंडित चेहरे को उद्भासित करती स्नेही मुस्कान। उन्होंने मेरे लेख को सराहा, यह मेरा सौभाग्य था। उस पत्र में उन्होंने लिखा था, “संस्मरण ऐसा हो कि जिसे कभी देखा भी न हो, उसकी साक्षात छवि ही सामने आ जाए, उसका क्रोध, उसकी परिहास रसिकता, उसकी दयालुता, उसकी गरिमा, उसकी दुर्बलता, सब कुछ सशक्त लेखनी आँकती चली जाए, वही उसकी सच्ची तस्वीर है, वही सफल संस्मरण है।”

(2) ‘जीवन की अविस्मरणीय घटना’ लगभग 6 से 8 वाक्यों में लिखिए। **(2)**

विभाग 4 – व्याकरण **[10]**

4. सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[10]**

(1) i. शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए: **(½)**

साइकिल

ii. अधोरेखांकित शब्द का भेद पहचानिए: **(½)**

उन्होंने गहरी साँस ली।

(2) वाक्य शुद्ध करके लिखिए: **(1)**

राजकुमार ने हिरन का शिकार की।

(3) सहायक क्रिया छाँटकर लिखिए: **(1)**

अपने सीखने के दरवाजे खुले रखो।

(4) क्रिया के प्रथम तथा द्‌वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए: **(1)**

देना

(5) i. अव्यय का वाक्य में प्रयोग कीजिए: **(1)**

काश!

ii. अव्यय पहचानकर उसका भेद लिखिए: **(1)**

उसने सोचा कि पृथ्वी गोल है।

(6) काल परिवर्तन कीजिए: **(2)**

बिल्ली उसकी ओर देखती है।

i. पूर्ण भूतकाल - _______

ii. सामान्य भविष्यकाल - _______

(7) i. मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए: **(1)**

तौलकर बोलना।

ii. अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए: **(1)**

(मुँह फेरना, गहरा छू जाना)

रमेश ने सुरेश की मदद नहीं की इसलिए सुरेश ने उसकी उपेक्षा की।

विभाग 5 – रचना विभाग **30**

सूचना: आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है:

5. **(1) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर किसी एक पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए:** **(5)**

समता विद्यालय, 425, शिवाजी रोड, कोल्हापुर को 'आदर्श विद्यालय' पुरस्कार प्राप्त हुआ। यह जानकारी पाकर पूर्तता/पूरब जोशी, 120, एकता कॉलोनी, कोल्हापुर से अपने प्रधानाचार्य को अभिनंदन हेतु पत्र लिखती/लिखता है।

अथवा

'स्वच्छता अभियान' में सहयोग देने के लिए अमित/ अमिता देसाई, 10/147 गणेश कॉलनी, मिरज से अपनी कॉलनी के सचिव को पत्र लिखता/लिखती है।

(2) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दों में कहानी लिखकर उचित शीर्षक दीजिए: **(5)**

भीड़ के लोगों द्वारा एक आदमी पर पत्थर फेंकना — महात्मा का आना — लोगों द्वारा उस आदमी के पापों की शिकायत — महात्मा से न्याय की माँग — महात्मा का न्याय — उपदेश देना — भीड़ का चुप रहना — किसी का आगे न बढ़ना।

(3) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर पाँच ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर एक वाक्य में हों: **(5)**

बाल्यकाल में बालक खेल को ही प्रधानता देता है। प्रत्येक सामान्य बालक में खेलने की तीव्र प्राकृतिक योग्यताएँ होती है जिनके द्वारा शारीरिक और मानसिक विकास में सहायता मिलती है और उसकी संस्कृति इन योग्यताओं को सही रास्ता दिखाती है, गलत होने पर प्रतिबंध लगाकर उन्हें सही मोड़ देती है। यह कहना कि बालक काम करने में बहुत सुस्त व आलसी है इसलिए खेलेगा भी नहीं, गलत है क्योंकि देखा जाता है कि कभी-कभी बालक खेलते समय बड़ी शक्ति नष्ट करता है। वह एकाग्रचित्त से खेलता है और ऐसा करते समय उसे वह आत्मसंतोष मिलता है जो अन्य किसी काम से नहीं मिलता। पूर्ण मानसिक विकास के लिए पूरी तन्मयता से खेलना आवश्यक होता है। प्राय: देखा गया है कि जो बालक बाल्यकाल में पूरी तन्मयता से खेलते हैं, बड़े होकर उनमें स्थिरता पाई जाती है और काफी अच्छे निकलते हैं।

6. (1) निम्नलिखित जानकारी पढ़कर लगभग 60 से 80 शब्दों में प्रसंग लेखन कीजिए: **(5)**

> बालदिन के अवसर पर हमारी पाठशाला में दिव्यांग बच्चों द्वारा मनोरंजन कार्यक्रम प्रस्तुत किया जा रहा था। सभी छात्र आनंद ले रहे थे। तब मेरे मन में यह विचार आए ....

(2) निम्नलिखित मुद्दों के आधार से लगभग 50 से 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए : **(5)**

- शर्मा फार्म हाऊस तळेगाव
- संपर्क पत्ता
- कार्यकुशल माली की आवश्यकता
- अनुभव 10 साल
- साक्षर हो
- 9494940000

(3) किसी एक विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए: **(5)**

i. यदि भाषा न होती...

ii. सफल विद्यार्थी की आत्मकथा।